सरसों व तोरिया की वैज्ञानिक खेती

उत्तर भारत के सिंचित क्षेत्रों में तिलहन हेतु बोयी जाने वाली प्रमुख फसलें तोरिया और सरसों वर्तमान परिवेश में आत्मनिर्भर बनने के लिए इसके व्यावसायिक उत्पादन के साथ घरेलू जरूरतों के लिए इन फसलों का उत्पादन परम आवश्यक है।

जनपद में प्रचलित उन्नत किस्में–

अ) तोरिया

क्र0 सं0	प्रजाति	गुण	औसत उपज (कु0 / है0
1.	PBT-37	शीघ्र पकने वाली–91 दिनों में	12–15
2.	TL-15	शीघ्र तैयार होने वाली – ~~85~~ दिनों में –85-90	10–12
3.	TL-17	लगभग 93 दिन में तैयार होगी।	12–15
4.	पंत तोरिया– 303	90–95 दिन में मोटे दाने वाली, तेल की मात्रा –40–42 प्रतिशत	12–15
5.	पंत तोरिया– 507	95–100 दिन में तैयार, भूरे रंग का दाना, तेल की मात्रा– 40–45 प्रतिशत.	15–17

ब) सरसों

क्र0 सं0	प्रजाति	गुण	औसत उपज (कु0 / है0
1.	RH-0749	143–145 दिनों में तैयार, मोटे दाने वाली, तेल की मात्रा > 40 प्रतिशत	22–25
2.	Type-59 (वरूणा)	145–150 दिन, तेल की मात्रा– 39 प्रतिशत	18–20
3.	Pioneer 45 S 42	125–130 दिन में तैयार, मोटे दाने वाली, सभी प्रकार की मिट्टी के लिए उपयुक्त	30–32
4.	Pioneer 45 S 32	शीघ्र तैयार होने वाली (110–115 दिन)	30–32
5.	Pioneer 45 S 46	मध्यम अवधि–अधिक पैदावार वाली	30–32
6	NRCYS- 05-02	तेल की मात्रा 43–46 प्रतिशत	15-18
7	YSH – 0401	तेल की मात्रा 42–44 प्रतिशतएमोटे दाने वाली	15-18
8	PYS-1	तेल की मात्रा 42–44 प्रतिशत	12–15

बीज की दर– अ) तोरिया – 4–5 किग्रा / हैक्टे0 (300–325 ग्राम / बीघा)
ब) सरसों – 5–6 किग्रा / हैक्टे0 (350–375 ग्राम / बीघा)

बुवाई का समय– मध्य सितम्बर से मध्य अक्टूबर।

बुवाई की विधि– पंक्तियों में बुवाई करें।
अ) तोरिया – 30–35 सेंटीमीटर (लाईन से लाईन)
12–15 सेंटीमीटर (पंक्ति से पंक्ति)

ब) सरसों – 40–45 सेंटीमीटर (लाईन से लाईन)
15–20 सेंटीमीटर (पंक्ति से पंक्ति)

विरलीकरण– सरसों वर्गीय फसलों में उत्पादन अधिक पाने हेतु महत्वपूर्ण उपाय है। हमारे जनपद में जहाँ अधिकांश बुवाई छिटकांव विधि से की जाती है–इस परिस्थिति में विरलीकरण परम आवश्यक हो जाती है। पहली बार में बुवाई के 3–4 सप्ताह बाद तथा दूसरी बार में बुवाई के 6–8 सप्ताह बाद। दूसरी बार में पौधे के नीचे के भारी पत्तों को भी निकाल सकते हैं। पौधे के नीचे से 25 प्रतिशत तक पत्ते निकाल भी दे तो फसल के लिए अत्यधिक लाभकारी होता है।

खरपतवार नियंत्रण–

- 2 बार हाथ से निराई–गुडाई – 20 व 40 दिन की अवस्था पर उपयुक्त रहती है।
- पेण्डीमिथाईलिन @1 किग्रा a.I. / हैक्टेयर –बुवाई के 24–72 घण्टे के भीतर 800–1000 लीटर पानी में स्प्रे करना लाभकारी होता है।

उर्वरक की मात्रा– यदि मृदा परीक्षण की सुविधा हो–तब मृदा परीक्षण के आधार पर उर्वरक का प्रयोग करें।

अ) तोरिया–	नत्रजन (N)	60–80 किग्रा0 / हैक्टेयर
	फास्फोरस (P_2O_5)	25–30 किग्रा0 / हैक्टेयर
	सल्फर	20–25 किग्रा0 / हैक्टेयर
ब) सरसों–	नत्रजन (N)	100–120 किग्रा0 / हैक्टेयर
	फास्फोरस (P_2O_5)	50–60 किग्रा0 / हैक्टेयर
	सल्फर	25–30 किग्रा0 / हैक्टेयर

प्रमुख रोग एवं कीट–

क्र0सं0	रोग / कीट	उपचार
1	Aplid/Hopper	Thiamethoxam @200- 250g/ha
2	Painted bug	Dichlorvos 76%EC 600-700ml/ha
3	Blight/Alternaria blight/ झुलसा रोग	Metalaxyl 8%+Mancozeb 64% 1000-1200 g/ha
4	Downy meldow	As above or copper oxyehloride 2.5g/lt
5	सफेद रतुआ / whiterust	As above